वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 2 | बुधवार 27 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की सांचू पोस्ट पर प्रहरी सम्मेलन में लिया भाग

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में बीएसएफ ने निभाई अहम भूमिका: शाह

गृह मंत्री ने 14 महिला बैरकों का किया ई-लोकार्पण

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारे सीमा प्रहरी तेज बारिश, अधिक तापमान, घने जंगल, बर्फीली चोटियों जैसी कठोर परिस्थितियों में देश की सुरक्षा करते हैं। वे कर्तव्यपरायणता, वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान की भावना के साथ देश की सीमा पर मुस्तैदी से तैनात रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी बीएसएफ के जवानों ने सीमावर्ती जिलों के नागरिकों का हौसला बनाए रखा और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार भारतीय सीमाओं पर तैनात बीएसएफ को आधुनिकतम तकनीक एवं बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

खेजड़ी का पौधा लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बीकानेर स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की सांचू पोस्ट पर प्रहरी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन किया है। सेना और बीएसएफ का आधुनिकीकरण किया गया है। वहीं, सुरक्षा की दृष्टि से अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन उपलब्ध करवाए गए हैं तथा आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने की नीति अपनाई गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी साथ मौजूद रहे। इस दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीमा पर तैनात जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने जवानों के साथ जलपान एवं संवाद भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण किया। उन्होंने प्रहरी शस्त्र गैलरी का अवलोकन कर आधुनिक ड्रोन तकनीक की कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने सांचू माता मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की तथा देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की तथा खेजड़ी का पौधा लगाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सांचू चौकी भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज

उन्होंने कहा कि सांचू ऐतिहासिक चौकी है तथा यहां आना उनके लिए बेहद हर्ष का विषय है। वर्ष 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान, पाक ने सांचू पर कब्जा करने का प्रयास किया। तब यहां से 25 किलोमीटर दूर रणजीतपुरा में 3 आरएसी की चौकी थी। जब 13 ग्रेनेडियर के जवानों को इसकी सूचना मिली, तो भारत के जवानों ने पाकिस्तान पर भीषण हमला बोला और सांचू को सुरक्षित रखा और पाकिस्तान को यहां से भागना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह 3 आरएसी अब बारहवीं वाहिनी बीएसएफ की बन गई है और यहां प्रतिवर्ष सांचू विजय दिवस मनाया जाता है। यह पोस्ट भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंगलवार को बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया और आमजन से भी पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक संख्या में पौधे लगाने का आह्वान किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत गांवों के विकास के लिए प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम शुरू किया है तथा ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की शुरूआत अगले छह माह में कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बीएसएफ को राज्यों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा की चिंता भी करनी होगी, जनसांख्यिकी में कृत्रिम परिवर्तन हो तो राज्य सरकार को बीएसएफ आगाह करे। वहीं, ड्रोन का उपयोग करने वालों पर सिविल और पुलिस भी पैनी नजर रखें।

बॉर्डर पर बेटों से भी दो कदम आगे बेटियां

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा में आज बेटियां बेटों से दो कदम आगे है। केंद्र सरकार वर्ष 2030 तक इन बेटियों के लिए सभी सुविधाएं मुहैया करवाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान में बीएसएफ की सीमा चौकियों पर बेटियों के लिए 40 करोड़ रुपए की लागत से 79 बैरक स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से आज लोकार्पण हुए 14 बैरक सहित 67 का काम पूरा हो चुका है। शेष 12 बैरक का कार्य भी जल्द पूरा हो जाएगा। देश की सीमा चौकियों पर 200 करोड़ की लागत से 360 बैरक बनाए जा रहे हैं।

कक्षा 12 के बाद विज्ञान क्षेत्र में अवसर

सपनों से सफलता तक विज्ञान का सुनहरा सफर

सत्य भूषण शर्मा

प्रवक्ता, पत्रकार, लेखक, कवि एवं यूट्यूबर
उदयपुर, राजस्थान

आज का युग विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। मोबाइल फोन से लेकर मंगलयान तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर आधुनिक चिकित्सा तक–हर क्षेत्र में विज्ञान ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका स्थापित की है। ऐसे समय में कक्षा 12 के बाद विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के सामने अवसरों का विशाल संसार खुला हुआ है। एक समय था जब विज्ञान का अर्थ केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनना माना जाता था, लेकिन आज विज्ञान का क्षेत्र कहीं अधिक व्यापक, आधुनिक और संभावनाओं से भरपूर हो चुका है। यदि विद्यार्थी अपनी रुचि, योग्यता और लक्ष्य के अनुरूप सही दिशा का चयन करें, तो विज्ञान उन्हें सम्मान, रोजगार, शोध, नवाचार और राष्ट्र निर्माण जैसे अनेक क्षेत्रों में नई ऊँचाइयों तक पहुंचा सकता है।

चिकित्सा क्षेत्र : सेवा, सम्मान और संवेदनशीलता

जीव विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा क्षेत्र आज भी सबसे प्रतिष्ठित विकल्पों में शामिल है। एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीएससी नर्सिंग, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी और पैरामेडिकल कोर्स जैसे अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। कोविड महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। आज अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, रिसर्च सेंटरों और स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशिक्षित युवाओं की भारी मांग है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार ने भी रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।

इंजीनियरिंग: तकनीक से भविष्य निर्माण

गणित विषय के विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग आज भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। परंपरागत शाखाओं–सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग–के साथ अब नई पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक क्षेत्रों की ओर तेजी से बढ़ रही है। डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी, ऑटोमेशन और स्टार्टअप संस्कृति ने तकनीकी युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। आज एक कुशल इंजीनियर केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने वाला उद्यमी भी बन सकता है।

अंतरिक्ष और अनुसंधान: जिज्ञासा से उपलब्धि तक

जब भारत के चंद्रयान और आदित्य मिशन विश्वभर में चर्चा का विषय बनते हैं, तब लाखों युवाओं के मन में वैज्ञानिक बनने का सपना जन्म लेता है। इसरो, डीआरडीओ, बार्क तथा अन्य राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान विज्ञान के विद्यार्थियों को शोध और नवाचार के अनेक अवसर प्रदान करते हैं। भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में रुचि रखने वाले विद्यार्थी बीएससी, एमएससी और रिसर्च के माध्यम से वैज्ञानिक बन सकते हैं। विज्ञान में अनुसंधान केवल करियर नहीं, बल्कि मानवता और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का श्रेष्ठ अवसर है।

कंप्यूटर और आईटी: नई दुनिया की नई शक्ति

आज का समय डिजिटल क्रांति का समय है। बैंकिंग, शिक्षा, व्यापार, मनोरंजन और स्वास्थ्य–हर क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित हो चुका है। ऐसे में कंप्यूटर साइंस और आईटी सेक्टर युवाओं के लिए सबसे तेजी से उभरते क्षेत्रों में शामिल हैं। वेब डेवलपमेंट, ऐप डिजाइनिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, गेमिंग, एनीमेशन, डिजिटल मार्केटिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में युवाओं को देश-विदेश में आकर्षक अवसर मिल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा आधारित तकनीकों का होगा। ऐसे में आज का विज्ञान विद्यार्थी भविष्य की दुनिया का निमार्ता बन सकता है।

कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी

विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है। आधुनिक कृषि, फूड टेक्नोलॉजी, डेयरी साइंस, पर्यावरण विज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और खाद्य सुरक्षा जैसी वैश्विक चुनौतियों ने इन क्षेत्रों का महत्व और अधिक बढ़ा दिया है। आने वाले वर्षों में पर्यावरण विशेषज्ञों और जैव वैज्ञानिकों की मांग निरंतर बढ़ने की संभावना है।

रक्षा सेवाएं: विज्ञान और राष्ट्रसेवा का संगम

विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में तकनीकी अधिकारी बनकर राष्ट्र सेवा का गौरव प्राप्त कर सकते हैं। एनडीए, तकनीकी प्रवेश योजनाएँ तथा वैज्ञानिक रक्षा सेवाएँ युवाओं को अनुशासन, सम्मान और देशभक्ति से भरा जीवन प्रदान करती हैं।

केवल डिग्री नहीं, कौशल भी आवश्यक

आज प्रतिस्पर्धा के दौर में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को कौशल विकास पर भी ध्यान देना होगा। ड्रोन टेक्नोलॉजी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, ग्राफिक डिजाइनिंग, एनीमेशन, रेडियोलॉजी और विभिन्न तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं को कम समय में बेहतर रोजगार दिला सकते हैं। नई शिक्षा नीति भी कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही है, जिससे विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकें।

सही दिशा ही सफलता की कुंजी

अक्सर विद्यार्थी दूसरों की देखा-देखी विषय और करियर का चयन कर लेते हैं, जिससे आगे चलकर असंतोष और तनाव उत्पन्न होता है। आवश्यक है कि विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और व्यक्तित्व को पहचानें। अभिभावकों को भी बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें उचित मार्गदर्शन और प्रेरणा देनी चाहिए। विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि सोचने, खोजने और समस्याओं का समाधान ढूंढने की क्षमता विकसित करना है। भारत आज विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में विश्व मंच पर तेजी से उभर रहा है। ऐसे समय में देश को योग्य वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता है। कक्षा 12 के बाद विज्ञान क्षेत्र विद्यार्थियों को केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि नवाचार, आत्मनिर्भरता, सम्मान और राष्ट्र निर्माण का अवसर भी प्रदान करता है। यदि युवा मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें, तो विज्ञान उनके सपनों को नई उड़ान दे सकता है। विज्ञान वास्तव में वह दीपक है, जो ज्ञान, प्रगति और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रकाशित करता है।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह सम्पन्न

उदयपुर में गूंजी प्राकृत वाणी, 20 मंदिरों के शिक्षण शिविर का सामूहिक समापन

उदयपुर.शाबाश इंडिया। प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में उदयपुर के 20 मंदिरों में आयोजित प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर का भव्य सामूहिक समापन एवं सम्मान समारोह विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में परम पूज्य प्राकृताचार्य आचार्यश्री सुनीलसागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं निर्देशन में सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के डीन प्रो.

नीरज शर्मा, सकल दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जैन पाठशालाओं के विद्यार्थियों ने प्राकृत भाषा आधारित मंगलाचरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं नाट्य मंचन प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। मुख्य अतिथि प्रो. नीरज शर्मा ने अपने उद्बोधन में प्राकृत भाषा को भारतीय भाषाओं की आधारशिला बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित ऐसे कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए इस प्रकार के शिविर अत्यंत आवश्यक हैं।

जैन संतों की सुरक्षा को लेकर झुमरीतिलैया में निकली विशाल मौन रैली

''राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति'' बनाने की मांग, सैकड़ों लोगों ने काला बिल्ला लगाकर जताया विरोध

झुमरीतिलैया.शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान के अंतर्गत झुमरीतिलैया जैन समाज द्वारा 25 मई की प्रातः एक विशाल एवं ऐतिहासिक मौन रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से देशभर में पैदल विहार करने वाले जैन संतों एवं साध्वियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा ''राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति'' बनाए जाने की मांग उठाई गई। मौन रैली बड़ा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर स्टेशन रोड, झंडा चौक, पूर्णिमा टॉकीज ओवरब्रिज होते हुए पुनः जैन मंदिर पहुंची। रैली में सैकड़ों महिला, पुरुष एवं बच्चों ने काला बिल्ला लगाकर अपना विरोध एवं आक्रोश व्यक्त किया। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश के रीवा में पैदल विहार कर रही दो जैन साध्वियों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जैन समाज का मानना है कि यह घटना लापरवाह ड्राइविंग का परिणाम है। इस दुखद घटना के विरोध में पूरे देश का जैन समाज आक्रोशित एवं आंदोलित है। रैली प्रारंभ होने से पूर्व जैन मंदिर में 15 मिनट तक णमोकार मंत्र का जाप किया गया। इसके बाद समाजजनों ने मौन धारण कर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया तथा जैन साध्वी पूज्य आर्यिका माताजी के असामयिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। जैन समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी ने बताया कि जैन साधु-साध्वी सदैव पैदल विहार करते हुए धर्म प्रभावना करते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर पैदल चलते समय उन्हें विशेष सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल सामान्य सड़क दुर्घटना प्रतीत नहीं होती, बल्कि इसके पीछे गहरी साजिश की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। इसी के विरोध में देशभर में पदविहार करने वाले जैन संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु इस महारैली का आयोजन किया गया। वार्ड पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि जैन संत जीवनभर अहिंसा और शांति का संदेश देते हुए पैदल भ्रमण करते हैं तथा कभी वाहन का उपयोग नहीं करते। इसके बावजूद सरकार द्वारा उनके विहार के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जाती, जिसके कारण भारी वाहनों से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर पैदल चलने वाले संतों के लिए विशेष सुरक्षा घेरा बनाए जाने की मांग की। रैली के समापन पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा जिला प्रशासन को देश के गृह मंत्री, मुख्यमंत्री एवं भारत सरकार के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जैन साध्वी माताजी दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की गई। साथ ही घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की गई। ज्ञापन में विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण, चेतावनी संकेतक तथा हाईवे एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग रखी गई। साथ ही भारत सरकार से पैदल विहार करने वाले संतों के लिए राष्ट्रीय गाइडलाइन एवं सुरक्षा एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करने की भी मांग की गई। समाजजनों ने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः निहत्थे, अहिंसक एवं तपस्वी जीवन जीने वाले होते हैं। वे किसी प्रकार की सुरक्षा का उपयोग नहीं करते, इसलिए संतों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाना चाहिए। मौन रैली में सहमंत्री राज जैन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन काला, भंडारी सुनील जैन सेठी, वरिष्ठ सदस्य सुरेश जैन झांझरी, सुशील जैन छाबड़ा, ललित जैन सेठी, जय कुमार जैन गंगवाल, किशोर जैन पांड्या, संजय जैन, सुनील जैन अजमेरा, स्थानीय पंडित अभिषेक जैन शास्त्री, महिला समाज अध्यक्ष नीलम जैन सेठी, सचिव आशा जैन गंगवाल, वीणा जैन झांझरी, मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा एवं नवीन जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जैन साध्वियों की मौत पर फूटा आक्रोश, सैकड़ों लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

''संत सुरक्षित नहीं तो समाज कैसे सुरक्षित?'' जैन समाज ने उठाई राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति की मांग

आगरा.शाबाश इंडिया

मध्य प्रदेश के रीवा में विहाररत जैन साध्वियों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर सोमवार को आगरा में जैन समाज का आक्रोश खुलकर सामने आया। आगरा दिगम्बर जैन परिषद के नेतृत्व में सकल जैन समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष कलेक्ट्रेट पहुंचे और जोरदार प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। जैन समाज ने घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा देशभर में ''राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति'' लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान समाजजनों ने ''संत सुरक्षित नहीं तो समाज कैसे सुरक्षित'' जैसे नारों के माध्यम से अपनी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया। ज्ञापन में कहा गया कि रीवा में पूज्य आर्यिका माताजी के साथ हुई घटना सामान्य सड़क हादसा प्रतीत नहीं होती। उपलब्ध वीडियो फुटेज, घटनास्थल की परिस्थितियों एवं तथ्यों को देखते हुए समाज में गहरी आशंका और चिंता का माहौल बना हुआ है। जैन समाज ने पूरे मामले की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कराने की मांग की। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। वे किसी प्रकार की सुरक्षा या भौतिक संसाधनों का उपयोग नहीं करते। ऐसे में उनके साथ लगातार बढ़ रही दुर्घटनाएं और हमले बेहद गंभीर एवं चिंताजनक विषय हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जांच में किसी सुनियोजित साजिश या षड्यंत्र के तथ्य सामने आते हैं, तो आरोपियों पर कड़ी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए। जैन समाज ने विहार मार्गों पर संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की भी मांग की। इसमें संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण, चेतावनी संकेतक तथा हाईवे एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई।

राजनीति

बेटियां बोझ नहीं...

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि हजारों बेटियों की जिंदगी निगलने वाला वह दानव बन चुकी है, जो आधुनिक शिक्षा, कानून और जागरूकता के बावजूद आज भी समाज की मानसिकता पर हावी है। हर वर्ष दहेज उत्पीड़न, आत्महत्या और हत्या के हजारों मामले सामने आते हैं, लेकिन कुछ दिनों की चर्चा के बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। हाल ही में चर्चित द्विशा कांड को सीबीआई जांच के लिए सौंपा जाना इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है कि समाज और व्यवस्था दोनों अभी भी इस अपराध को रोक पाने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं। समय आ गया है कि समाज यह समझे कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक हैं। जिस दिन दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि शर्म का विषय माना जाने लगेगा, उसी दिन एक आदर्श समाज की शुरूआत होगी। दहेज की समस्या की जड़ केवल लालच नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा की विकृत सोच है। विवाह को आज भी कई परिवार सौदे की तरह देखते हैं, जहां लड़के की नौकरी, वेतन और सामाजिक हैसियत के आधार पर उसकी ''कीमत'' तय की जाती है। दुखद यह है कि शिक्षित और संपन्न वर्ग भी इस मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, फिर भी उत्पीड़न समाप्त नहीं होता। द्विशा कांड जैसे मामले इसलिए अधिक भयावह बन जाते हैं क्योंकि वे समाज के उस चेहरे को सामने लाते हैं, जहां कानून का डर कमजोर और लालच की भूख अधिक मजबूत दिखाई देती है। जब किसी बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती है और उसका परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकता है, तब लोगों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। ऐसे मामलों की सीबीआई जांच इसलिए आवश्यक मानी जाती है क्योंकि आम जनता निष्पक्ष और पारदर्शी जांच चाहती है। हालांकि केवल जांच एजेंसी बदल देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता इस बात की है कि दहेज विरोधी कानूनों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी निष्पक्षता भी सुनिश्चित हो। तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतों का गठन होना चाहिए ताकि पीड़ित परिवारों को वर्षों तक न्याय का इंतजार न करना पड़े। साथ ही झूठे मामलों को रोकना भी जरूरी है, ताकि कानून की विश्वसनीयता बनी रहे।

संपादकीय

रूबियो की भारत यात्रा विश्वास की बहाली

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की 4 दिवसीय भारत यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण साबित हुई। यह यात्रा केवल औपचारिक कूटनीतिक मुलाकातों तक सीमित नहीं रही, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक तनाव, टैरिफ विवाद और रणनीतिक मतभेदों के कारण पैदा हुए विश्वास के संकट को दूर करने का गंभीर प्रयास भी रही। भारत और अमेरिका के संबंधों में आई हल्की ठंडक को समाप्त करने तथा नई ऊर्जा देने के

उद्देश्य से हुई यह यात्रा दोनों देशों के लिए सकारात्मक संकेत लेकर आई है। रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, रक्षा मंत्री और वाणिज्य मंत्री के साथ विस्तृत एवं सार्थक वार्ताएं कीं। चर्चाओं में ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, क्वाड सहयोग, व्यापार विस्तार और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रमुख रहे। अमेरिका ने भारत को सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए एलएनजी आपूर्ति और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की नीति के अनुरूप माना जा रहा है। रूबियो ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत अमेरिका के लिए केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। उन्होंने रक्षा सह-उत्पादन, तकनीकी सहयोग और फ्रेमवर्क को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष अनुसंधान और रक्षा प्रौद्योगिकी में गहरे सहयोग का प्रस्ताव इस यात्रा का महत्वपूर्ण पहलू रहा। यात्रा का एक प्रमुख आयाम क्वाड देशों भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की बैठक भी रही। इस दौरान इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर गंभीर चर्चा हुई। अमेरिका ने स्पष्ट संकेत दिया कि वह भारत को क्षेत्रीय स्थिरता में केंद्रीय भूमिका निभाने वाले साझेदार के रूप में देखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह यात्रा विशेष रही। रूबियो ने आमेर फोर्ट और हवा महल का दौरा किया। इसके अलावा उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी में जाकर सामाजिक सेवा कार्यों को देखा तथा ताजमहल का भ्रमण कर भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इन गतिविधियों ने यात्रा को मानवीय और सांस्कृतिक आयाम भी प्रदान किया। हालांकि व्यापार घाटा, अमेरिकी टैरिफ नीतियां और रूस-भारत संबंध जैसे मुद्दे अब भी चुनौती बने हुए हैं, फिर भी इस यात्रा ने सकारात्मक वातावरण तैयार किया है। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि रूस के साथ उसकी ऊर्जा और रक्षा साझेदारी उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का हिस्सा है और यह अमेरिका-भारत संबंधों के विरोध में नहीं है। पाकिस्तान, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी दोनों देशों के बीच खुली और स्पष्ट बातचीत हुई।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कॉकरोच से क्रांति तक

सुनील कुमार महला

इन दिनों सोशल मीडिया पर ''कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)'' नाम तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यह अभियान इतनी तेजी से वायरल हुआ कि इसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 1 करोड़ से लेकर 2.2 करोड़ तक फॉलोअर्स होने के दावे किए जाने लगे। हालांकि अलग-अलग समय पर अलग-अलग आंकड़े सामने आए, क्योंकि यह पूरा अभियान बहुत तेजी से फैल रहा था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एक्स (पूर्व ट्विटर) पर इससे जुड़े अकाउंट्स ने कुछ ही दिनों में लाखों फॉलोअर्स हासिल कर लिए। बाद में कुछ अकाउंट्स पर प्रतिबंध अथवा 'विदहेल्ड' कार्रवाई की खबरों ने इस पूरे विवाद को और अधिक चर्चित बना दिया। इस विवाद की शुरूआत उस कथित टिप्पणी से जुड़ी मानी गई, जिसे भारत के मुख्य न्यायाधीश से संबंधित बताया गया। बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ लोग फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत, मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में प्रवेश कर जाते हैं तथा 'कॉकरोच' और 'पैरासाइट्स' की तरह व्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह बात तेजी से फैल गई कि उन्होंने बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' कहा है। हालांकि बाद में मुख्य न्यायाधीश ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका निशाना बेरोजगार युवा नहीं, बल्कि वे लोग थे जो फर्जी और बोगस डिग्रियों के माध्यम से प्रतिष्ठित पेशों में प्रवेश करते हैं। उन्होंने भारतीय युवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया ने उनकी मौखिक टिप्पणी को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया। लेकिन तब तक यह मुद्दा सोशल मीडिया पर एक बड़े डिजिटल आंदोलन का रूप ले चुका था। विरोध और व्यंग्य के प्रतीक के रूप में युवाओं ने ''कॉकरोच जनता पार्टी'' नाम से ऑनलाइन अभियान शुरू कर दिया। हजारों युवाओं ने इसी नाम से मीम्स, पोस्टर, काल्पनिक घोषणापत्र, चुनाव चिह्न और नारे तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा करने शुरू कर दिए। कई पोस्टों में बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, नौकरी की कमी, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और सरकारी व्यवस्थाओं पर तीखे कटाक्ष किए गए। युवाओं ने इस अभियान को इस रूप में प्रस्तुत किया कि यदि व्यवस्था उन्हें 'कॉकरोच' समझती है, तो वे उसी पहचान को व्यंग्यात्मक शक्ति में बदल देंगे। यही कारण रहा कि यह अभियान बहुत कम समय में लाखों लोगों तक पहुंच गया। एक्स पर ''कॉकरोच जनता पार्टी'' से जुड़े पोस्ट तेजी से वायरल होने लगे। कुछ अकाउंट्स पर कार्रवाई और प्रतिबंध की खबरों ने भी इस मुद्दे को और अधिक चर्चित बना दिया। कई लोगों ने इसे युवाओं की हताशा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आवाज बताया, जबकि कुछ लोगों ने इसे सोशल मीडिया का अतिशयोक्तिपूर्ण ट्रेंड माना। मामला तब और अधिक चर्चा में आया, जब इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर होने और अदालत में बहस होने की खबरें सामने आईं। यह पूरा घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि आज का युवा वर्ग अपनी बात केवल भाषणों और पारंपरिक आंदोलनों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि मीम्स, व्यंग्य और डिजिटल अभियानों के माध्यम से भी प्रभावशाली ढंग से अपनी आवाज उठा रहा है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' इंटरनेट संस्कृति के उसी नए दौर का उदाहरण बनकर उभरी है, जहां एक विवादित शब्द कुछ ही दिनों में सामाजिक और राजनीतिक असंतोष का बड़ा प्रतीक बन जाता है।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन के आह्वान पर जयपुर में प्रतिष्ठान रहे बंद

जैन समाज ने साधु-संतों की पदविहार सुरक्षा के समर्थन में दिखाई एकजुटता

जयपुर.शाबाश इंडिया

देश के प्रमुख दिगम्बर जैन साधु-संतों एवं आर्यिकाओं के आह्वान पर अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन की ओर से जयपुर में जैन समाज ने सोमवार को साधु-संतों की पदविहार सुरक्षा के समर्थन में एकजुटता दिखाई। संगठन के आह्वान पर सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक शहर के अनेक प्रतिष्ठान बंद रखे गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन जैन एवं राष्ट्रीय महामंत्री सारिका बिलाला के निर्देशन में जयपुर महानगर अध्यक्ष रीमा गोधा के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य मध्यप्रदेश के रीवा में हुई दो जैन आर्यिकाओं की कार दुर्घटना में समाधिमरण की घटना के विरोध में आवाज उठाना तथा जैन साधु-संतों के सुरक्षित पदविहार के लिए समाज में जागरूकता और एकजुटता का संदेश देना था। संगठन द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से जयपुर जैन समाज से 25 मई को सुबह 8 बजे से 12 बजे तक प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की गई थी, जिसे समाज का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जैन समाज के लोगों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर साधु-संतों की सुरक्षा के प्रति समर्थन व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान परम पूज्य आर्यिका 105 अर्हम श्री माताजी ससंघ के सानिध्य में जैन साधु-संतों की पदविहार सुरक्षा को लेकर धर्मसभा का आयोजन भी किया गया। धर्मसभा के दौरान अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन जयपुर महानगर की अध्यक्ष रीमा गोधा, मंत्री शिमला जैन, कोषाध्यक्ष बीना सोगानी, संरक्षक सुधा शाह एवं संरक्षक अनीता बड़जात्या ने आर्यिका 105 अर्हम श्री माताजी ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त कर साधु-संतों के सुरक्षित पदविहार का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आर्यिका अर्हम श्री गुरु मां एवं समाज श्रेष्ठि जिनेन्द्र जैन (जीतू) के सानिध्य में जयपुर जैन समाज से साधु-संतों की सुरक्षा के समर्थन में तीन घंटे तक प्रतिष्ठान बंद रखकर एकजुटता प्रदर्शित करने की अपील भी की गई। समाजजनों ने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। ऐसे में उनके सुरक्षित विहार के लिए सरकार को ठोस सुरक्षा व्यवस्था एवं स्पष्ट नीति बनानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन

बच्चों में दिखा धार्मिक संस्कार, अनुशासन और नैतिक शिक्षा के प्रति उत्साह

चाकसू (जयपुर).शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिला अंचल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कार शिक्षण शिविर का निरीक्षण उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। शिविर में बच्चों की सक्रिय सहभागिता, उत्साह, जोश एवं लगन ने सभी को प्रभावित किया। शिविर के दौरान बच्चों में धार्मिक संस्कार, अनुशासन एवं नैतिक शिक्षा के प्रति विशेष जागरूकता और रुचि देखने को मिली। पूरा वातावरण आनंदमय, प्रेरणादायी एवं संस्कारमय बना रहा। महिला अंचल अध्यक्ष ने सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि शिविर प्रभारी एवं शिक्षिकाएं निरंतर बच्चों को धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों की शिक्षा प्रदान कर रही हैं। उनके पुरुषार्थ और समर्पण से कॉलोनी में धार्मिक वातावरण का निरंतर विकास हो रहा है। आज आयोजित शिविर में अनिल कुमार जैन (अध्यक्ष, राजस्थान अंचल), महामंत्री महावीर बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष डॉ. णमोकार जैन, राजेश बड़जात्या, शिविर संयोजक कैलाश चंद जैन मलैया, महिला अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, महिला मंत्री संगीता गंगवाल एवं उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष अनीता जैन एवं सुशीला जैन सहित अंचल समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष ऊर्जा प्रदान की। कॉलोनी से नीरू जी, ज्योति जी, अशोक जी, योगेश जी, प्रदीप जी, साक्षी जी एवं महेंद्र जी सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर संदीप जी एवं अनु जी परिवार द्वारा सभी बच्चों को उपहार वितरित किए गए, वहीं प्रदीप जी एवं संगीता जी द्वारा छाछ वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा लिखी गई विभिन्न रचनाओं ने उनके भीतर विकसित हो रहे धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में ''संस्कारों से होगा उज्ज्वल भविष्य का निर्माण'' तथा ''शिक्षा के साथ संस्कारों का संगम'' का प्रेरणादायी संदेश भी दिया गया। शिविर संचालन में महिला इकाई अध्यक्ष निशा जी, मंत्री पिंकी जी बिलाला, धार्मिक सांस्कृतिक मंत्री संगीता जी, प्रचार मंत्री भागेश जी बिलाला एवं मीडिया प्रभारी प्रदीप जैन का विशेष सहयोग रहा।

धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का निरीक्षण सम्पन्न

तत्त्वार्थ सूत्र की कक्षाओं में दिखा उत्साह, शिविर बना संस्कारों की प्रयोगशाला

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिला अंचल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर 2026 का निरीक्षण आज निरीक्षण दल द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान शिविरार्थियों में उत्साह, अनुशासन एवं धार्मिक संस्कारों के प्रति विशेष लगाव देखने को मिला। निरीक्षण दल में राजस्थान अंचल के कार्याध्यक्ष डॉ. णमोकार जैन, शिविर संयोजक कैलाश चंद जैन मलैया एवं मंत्री शांति कुमार काला उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर में चल रही विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया तथा शिविरार्थियों से संवाद भी किया। निरीक्षण के दौरान तत्त्वार्थ सूत्र के नवें अध्याय की कक्षा में आदरणीय शिक्षिका सुषमा जी जैन सरल एवं प्रभावी शैली में अध्यापन करवा रही थीं। उन्होंने प्रश्नोत्तर पद्धति के माध्यम से शिविरार्थियों को विषय समझाया, जिससे सभी प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। वहीं बच्चों की कक्षाओं का संचालन ज्ञाना जी एवं सोना जी द्वारा किया जा रहा था। निरीक्षण दल ने बच्चों से विभिन्न धार्मिक एवं नैतिक विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। इससे स्पष्ट हुआ कि यह शिविर केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तव में संस्कारों की एक जीवंत प्रयोगशाला बन चुका है। निरीक्षण दल का स्थानीय समाज के रतन लाल गंगवाल एवं अन्य समाजजनों द्वारा भावभीना स्वागत किया गया। शिविर में पहली बार शामिल हुए शिविरार्थी मनोज छाबड़ा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस शिविर के माध्यम से पहली बार जैन धर्म की गीता कहे जाने वाले ''तत्त्वार्थ सूत्र'' को समझने और जानने का अवसर मिला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी वर्ष में बड़ों की कक्षा में और अधिक लोग सहभागिता करेंगे। समाजजनों ने महासमिति के तत्वावधान में शिविर आयोजन के लिए रतनलाल जी एवं निर्मल जी कटारिया की विशेष अनुमोदना की। साथ ही बच्चों की अध्यापिका ज्ञाना जी एवं सोना जी तथा बड़ों की कक्षा की अध्यापिका सुषमा जी के समर्पण और शिक्षण कार्य की भी सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने धार्मिक शिक्षा, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के प्रसार के लिए ऐसे शिविरों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इनके निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

जय जिनेन्द्र!

''वाक्केशरी सम्मान'' से अलंकृत हुए डॉ. सुनील जैन संचय

साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान

ललितपुर.शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज के दशम आचार्य पदारोहण दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान के सावर, अजमेर में आयोजित भव्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में नगर के युवा मनीषी एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. सुनील जैन संचय को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक अवदान के लिए प्रतिष्ठित ''वाक्केशरी सम्मान'' से सम्मानित किया गया। यह गरिमामयी समारोह मुनि श्री प्रज्ञानसागर जी महाराज एवं मुनि श्री प्रसिद्धसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में डॉ. सुनील जैन संचय को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न, शाल, श्रीफल, अंगवस्त्र एवं पुरस्कार राशि भेंट कर सम्मानपूर्वक अलंकृत किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री प्रज्ञानसागर जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''सम्मान व्यक्ति का नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व एवं गुणों का होता है। डॉ. सुनील संचय के भीतर विद्यमान साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गुणों का ही आज सम्मान किया गया है।'' डॉ. सुनील जैन संचय लंबे समय से दर्शन, संस्कृति, साहित्य एवं समाज चेतना के विविध आयामों पर सतत लेखन और वैचारिक सेवा में सक्रिय हैं। उनकी शोधपरक दृष्टि, साहित्य साधना एवं सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को व्यापक सराहना प्राप्त है। वे एक प्रभावी एवं ओजस्वी वक्ता होने के साथ-साथ कुशल शिक्षाविद के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। समारोह में उपस्थित विभिन्न साहित्यकारों, विद्वानों एवं समाजजनों ने डॉ. संचय की उपलब्धि को जनपद के लिए गौरव का विषय बताया। जनपद की विभिन्न सामाजिक, साहित्यिक एवं धार्मिक संस्थाओं, विद्वानों, गणमान्य नागरिकों एवं मित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की मंगलकामनाएं कीं।

जैन सोशल ग्रुप जयपुर गोल्ड का दो दिवसीय गेट-टुगेदर सम्पन्न

स्टारडम रिसोर्ट में सदस्यों और बच्चों ने स्विमिंग पूल, गेम्स और संगीत का लिया आनंद

जयपुर.शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप जयपुर गोल्ड के सदस्यों द्वारा अजमेर रोड स्थित स्टारडम रिसोर्ट में दो दिवसीय गेट-टुगेदर एवं स्विमिंग पूल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों एवं बच्चों ने पारिवारिक माहौल में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। ग्रुप के अध्यक्ष राजकुमार बैद एवं राजकुमारी बैद तथा संस्थापक अध्यक्ष राकेश गौधा एवं नीलू गौधा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने पारिवारिक और उत्साहपूर्ण वातावरण में स्विमिंग पूल, संगीत एवं मनोरंजन गतिविधियों का आनंद लिया। ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेन्द्र पाटनी एवं वर्तमान सचिव मनीष चांदवाड ने बताया कि कार्यक्रम में आने वाले सदस्यों एवं अतिथियों का रजिस्ट्रेशन काउंटर पर तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद अल्पाहार के साथ कराओके संगीत कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें राकेश गौधा एवं अक्षत पाटनी द्वारा प्रस्तुत गीतों का सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम संयोजक भरत जैन एवं प्रतिभा जैन ने बताया कि रिसोर्ट में रात के समय सरिता गौधा के संचालन में रोचक हाउजी एवं कपल गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मनोरंजक गतिविधियों ने पूरे माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। समारोह के दौरान नए सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर ग्रुप अध्यक्ष राजकुमार बैद एवं सचिव मनीष चांदवाड ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

चंद्रपुरी की पाठशाला में आचार्य वर्धमान सागर ने दिया संयम, संस्कार और आत्मशुद्धि का संदेश

धर्म को जीवनचर्या में उतारने, संयम अपनाने और संस्कारित पीढ़ी निर्माण पर दिया जोर

जयपुर.शाबाश इंडिया। चंद्रपुरी, बड़ के बालाजी स्थित पाठशाला में मंगलवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सान्निध्य में आयोजित धार्मिक प्रवचन एवं अध्ययन सत्र में धर्म, संयम, आत्मशुद्धि एवं संस्कारों का प्रेरणादायी संदेश दिया गया। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म केवल सुनने या पढ़ने का विषय नहीं है, बल्कि उसे व्यवहार और जीवनचर्या में उतारना आवश्यक है। धर्म का वास्तविक प्रभाव व्यक्ति के आचरण, विचार और व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। प्रवचन के दौरान आचार्य श्री ने मन, वचन और शरीर पर संयम रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि व्यक्ति को सदैव सकारात्मक सोचना, मधुर बोलना और अनावश्यक गतिविधियों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मविकास एवं संयम की शुरूआत छोटे-छोटे प्रयासों से होती है तथा निरंतर अभ्यास से उपवास, त्याग और नियम सहज बन जाते हैं। स्वास्थ्य और साधना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आचार्य श्री ने नियमित योग एवं हल्के आसनों को आवश्यक बताया। उन्होंने प्रतिदिन किसी छोटे त्याग का अभ्यास करने, जैसे रात्रि भोजन त्याग, संयमित भोजन और कुछ समय मौन रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि रात्रि भोजन कम करना धर्म और स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से लाभकारी है। प्रवचन में बच्चों को छोटी उम्र से ही अच्छे संस्कार, अनुशासन एवं संयम सिखाने पर विशेष बल दिया गया। आचार्य श्री ने कहा कि परिवार और समाज का भविष्य संस्कारित पीढ़ी पर निर्भर करता है। उन्होंने समता बनाए रखने, छोटी-छोटी बातों पर क्रोध एवं विवाद से बचने तथा दूसरों की कमियों के बजाय स्वयं के दोषों को सुधारने का संदेश दिया। पूजा एवं मंदिर की मर्यादा पर बोलते हुए आचार्य श्री ने कहा कि पूजा शांत भाव, एकाग्रता और श्रद्धा के साथ करनी चाहिए। मंदिर को भक्ति, ध्यान और आत्मशांति का केंद्र बताते हुए उन्होंने अनावश्यक बातचीत एवं दिखावे से बचने की प्रेरणा दी। साथ ही कुछ समय मौन रहकर मोबाइल से दूरी बनाने तथा मन को स्थिर रखने का अभ्यास करने को कहा। आचार्य श्री ने संतों एवं श्रेष्ठ व्यक्तियों के संग को जीवन परिवर्तन का माध्यम बताते हुए कहा कि अच्छा संग व्यक्ति के विचारों और व्यवहार दोनों को सकारात्मक दिशा देता है। उन्होंने कहा कि धर्म में पद या प्रतिष्ठा से अधिक महत्व गुण, विनय, ज्ञान एवं श्रेष्ठ आचरण का होता है। नियमित स्वाध्याय को आत्मविकास का महत्वपूर्ण साधन बताते हुए उन्होंने धर्मग्रंथों के अध्ययन एवं चिंतन की प्रेरणा भी दी। उन्होंने कहा कि यदि धर्म के प्रभाव से व्यक्ति का क्रोध कम हो, मन में शांति बढ़े और व्यवहार में मधुरता आए, तभी धर्म साधना सार्थक मानी जाएगी। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, विद्यार्थी एवं समाजजन उपस्थित रहे। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज का मंगल प्रवास चंद्रपुरी दिगंबर जैन मंदिर में चल रहा है। इस दौरान निरंतर आचार्य संघ एवं श्रावकों की पाठशाला आयोजित की जा रही है, जिसमें आचार्य श्री विभिन्न धार्मिक विषयों का महत्व समझाते हुए उनकी पालना करने एवं हिंसा त्यागने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में समाजबंधु प्रवचनों में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। मंगलवार को श्रीपाल चूड़ीवाल, भागचंद चूड़ीवाल, सुरेश सबलावत, कमलचंद छाबड़ा एवं अनिल बोहरा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने संघ का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

Fashion Factory की 'ब्लैक वीकेंड सेल' शुरू

एक खरीदें, दो मुफ्त पाएं; 27 से 31 मई तक देशभर के स्टोर्स में मिलेगा ऑफर

मुंबई.शाबाश इंडिया

Fashion Factory अपने ग्राहकों के लिए 'ब्लैक वीकेंड सेल' लेकर आया है। इस विशेष सेल के तहत ग्राहकों को "Buy 1 Get 2 Free" यानी एक खरीदने पर दो मुफ्त का आकर्षक ऑफर मिलेगा। यह सेल 27 मई से 31 मई तक देशभर के फैशन फैक्ट्री स्टोर्स पर आयोजित की जाएगी। कंपनी के अनुसार यह ऑफर ऑफिस वियर, कैजुअल वियर, पार्टी वियर, डेनिम, शर्ट, ट्राउजर, टी-शर्ट तथा महिलाओं के एथनिक वियर सहित लगभग सभी कपड़ों की श्रेणियों पर उपलब्ध रहेगा। सेल में कई लोकप्रिय और बड़े ब्रांड्स के उत्पाद शामिल किए गए हैं। ग्राहकों को इस सेल में Lee Cooper, Louis Philippe, Park Avenue, Peter England, Killer और Duke जैसे प्रमुख ब्रांड्स पर विशेष ऑफर का लाभ मिलेगा। कंपनी ने इस बार ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक विशेष "ब्लैक पास" व्यवस्था भी शुरू की है। इसके माध्यम से ग्राहक आम बिक्री शुरू होने से पहले ही सेल में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उन्हें भीड़भाड़ से बचने और बेहतर खरीदारी अनुभव का लाभ मिलेगा। ब्लैक पास प्राप्त करने के लिए ग्राहकों को केवल 93216611199 पर मिस्ड कॉल देना होगा। इसके बाद उन्हें पहले एंट्री का अवसर दिया जाएगा। फैशन फैक्ट्री के अनुसार इस सेल को विशेष रूप से उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो किफायती कीमतों में अधिक विकल्पों और बड़े ब्रांड्स की खरीदारी करना चाहते हैं। कंपनी को उम्मीद है कि यह सेल ग्राहकों के लिए आकर्षक और लाभदायक साबित होगी।

हसमुख जैन गांधी गौरव अध्यक्ष एवं सुमत जैन लुहाड़िया अध्यक्ष मनोनीत

इंदौर. शाबाश इंडिया

सुप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक समवशरण दिगम्बर जैन मंदिर अंतर्गत तुकोगंज दिगम्बर जैन समाज के चुनाव अत्यंत सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुए। वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती रानी अशोक दोषी के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से हसमुख जैन गांधी गौरव को अध्यक्ष एवं सुमत जैन लुहाड़िया को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वार्षिक साधारण सभा में समाजजन, सम्माननीय ट्रस्टीगण एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा में समाज की एकता, संगठन, धार्मिक संस्कारों एवं सामाजिक गतिविधियों को और

अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। समाज प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू ने जानकारी देते हुए बताया कि नवमनोनीत पदाधिकारियों का समाज के वरिष्ठजनों आजाद जैन, अशोक खासगीवाला, अमित कासलीवाल, डॉ. जैनेन्द्र जैन, टी.के. वेद, आनंद गोधा, डी.के. जैन, डीएसपी मनोज मुकेश बाकलीवाल सहित अनेक समाजजनों ने आत्मीय अभिनंदन किया तथा उनके सफल एवं प्रेरणादायी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। समवशरण दिगम्बर जैन मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि साधना, त्याग एवं आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण तीर्थ भी है। मंदिर परिसर में स्थित अत्यंत प्राचीन श्राविकाश्रम में 60 ब्रह्मचारी बहनें निरंतर साधना, स्वाध्याय एवं आराधना में लीन हैं, जो इस स्थल की आध्यात्मिक गरिमा को विशेष ऊंचाई प्रदान करता है। मंदिर में विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक निर्मित भगवान शांतिनाथ की भव्य एवं दिव्य प्रतिमा विराजमान है, जिसके दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। यह पावन स्थान पंडित रतनलाल जी शास्त्री की साधना स्थली के रूप में भी विशेष ख्याति प्राप्त है, जहां से धर्म, अध्यात्म एवं संस्कारों की प्रेरणा निरंतर प्रवाहित होती रही है। मंदिर ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के मार्गदर्शन में मंदिर की धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां निरंतर विस्तार प्राप्त कर रही हैं। सभा के अंत में समाज की निरंतर प्रगति, धार्मिक चेतना एवं संगठनात्मक मजबूती के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त किया गया।

ईद से पूर्व ब्यावर में जीव दया का ऐतिहासिक अभियान

एक ही दिन में 108 बकरों को मिला अभयदान

ब्यावर. शाबाश इंडिया

जैन समाज के अहिंसा एवं जीव दया के सिद्धांत को साकार करते हुए ब्यावर में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई। 26 मई 2026 को एक ही दिन में बूचड़खानों से कुल 108 बकरों को मुक्त कराकर उन्हें सुरक्षित जीवन प्रदान किया गया। इसे ब्यावर के जैन समाज के इतिहास में जीव दया का अब तक का सबसे बड़ा अभियान माना जा रहा है। इससे पूर्व 20 मई 2026 को भी जीव दया प्रेमी दिलीप नाहटा एवं प्रवीण बडोला की टीम द्वारा 52 बकरों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया था। इस प्रकार पिछले सात दिनों में कुल 160 बकरों को जीवनदान देकर नागौर के निकट स्थित कुचेरा बकरा शाला में सुरक्षित छोड़ा गया। जीव दया प्रेमियों का मानना है कि 24वें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर द्वारा दिए गए ''जियो और जीने दो'' के अहिंसावादी संदेश को समाज तक पहुंचाने का यह प्रेरणादायक प्रयास है। जैन धर्म में जीव दया को सर्वोच्च धर्म माना गया है। इसी भावना के अंतर्गत प्रतिवर्ष बकरों को बूचड़खानों से मुक्त कराकर उनके कानों में कुड़की पहनाई जाती है और उन्हें ''अमरा बकरा'' बनाकर बकरा शालाओं में सुरक्षित छोड़ा जाता है, ताकि उन्हें भोजन, पानी एवं सुरक्षित जीवन मिल सके। इसी क्रम में बकरा ईद से पूर्व 26 मई 2026 को ब्यावर के एस्ट्रोलॉजर एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ तथा जीव दया प्रेमी दिलीप नाहटा, प्रवीण बडोला एवं मनीष मूथा की टीम ने संयुक्त रूप से 108 बकरों को बूचड़खानों से मुक्त कराकर नागौर के पास स्थित कुचेरा बकरा शाला में सुरक्षित पहुंचाया। इस उल्लेखनीय कार्य के लिए जैन समाज, जीव दया प्रेमियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अभियान में सहयोग करने वाले दिलीप नाहटा, प्रवीण बडोला, मनीष मूथा, संयम मूथा, वैभव मूथा, ऋषभ कक्कड़, सुनील रुपाणी, आनंद सिंह, मतिकांत अग्रवाल, सुरेश कुमावत, अंकुश बोहरा, रविंद्र मकाणा तथा समता युवा संघ सहित पूरी टीम का साधुवाद व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया। यह अभियान न केवल जीव दया का संदेश देता है, बल्कि समाज में अहिंसा, करुणा एवं सह-अस्तित्व की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

—अमित गोधा, शाबाश इंडिया

श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में चल रहा है मथुराधीश महोत्सव

रासपंचाध्यायी केवल कथा नहीं, बल्कि हृदय का शुद्धिकरण है: गिरिराज जी शास्त्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल एवं श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में अधिकमास के अवसर पर सूरजपोल स्थित मोहनबाड़ी के श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में 11 दिवसीय श्रीमद्भागवत एकादश एवं मूल श्लोकों के परायण, श्री गोवर्धननाथ एवं मथुराधीश प्रभु के दर्शन तथा 56 भोग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को व्यासपीठ से भागवत मर्मज्ञ बड़ोदरा निवासी गिरिराज जी शास्त्री ने भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का रसपूर्ण वर्णन किया, जिन्हें सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान एम.डी. बांगड़ एवं पी.डी. बांगड़ परिवार ने श्रीमद्भागवत की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इस अवसर पर गिरिराज जी शास्त्री ने रासपंचाध्यायी लीला पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रासपंचाध्यायी केवल कथा नहीं, बल्कि हृदय का शुद्धिकरण है। इसके नित्य पाठ एवं श्रद्धापूर्वक श्रवण से मन में व्याप्त अशांति, भय और क्लेश धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। जिस प्रकार गोपियों ने अपना सर्वस्व श्रीकृष्ण को समर्पित कर दिया, उसी भाव से इसका श्रवण करने पर अहंकार एवं आसक्ति का क्षय होता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति चिंता, भय अथवा मानसिक पीड़ा से ग्रस्त रहता है, उसे इसके श्रवण से आंतरिक शांति एवं स्थिरता प्राप्त होती है। श्रद्धा के साथ किया गया पाठ मन को कोमल बनाता है तथा हृदय में करुणा, प्रेम और समर्पण के भाव जागृत करता है। इसका सबसे बड़ा फल यह है कि साधक के भीतर भगवत प्रेम की अभिलाषा उत्पन्न होती है। उन्होंने आगे कहा कि रासपंचाध्यायी हमें यह शिक्षा देती है कि जब जीव पूर्ण समर्पण करता है, तब भगवान स्वयं उसे अपने आनंद में सहभागी बना लेते हैं। गौचारण लीला पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गिरिराज जी शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन में ग्वालबालों एवं गायों के साथ वन में विचरण करने, बांसुरी बजाने तथा गोपियों के साथ प्रेमपूर्ण क्रीड़ा करने की दिव्य लीला विनम्रता, निष्कलुष प्रेम एवं प्रकृति से जुड़ाव का संदेश देती है। इसमें साक्षात ईश्वर साधारण गोपाल के रूप में सेवाभाव का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत के अनुसार श्रीकृष्ण की गोचारण लीला केवल एक बालक की दिनचर्या नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड को यह संदेश देने वाली दिव्य लीला है कि ईश्वर भी सेवा, प्रेम एवं सादगी में ही श्रेष्ठ दिखाई देते हैं।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र-12 की क्षेत्रीय कार्यकारिणी बैठक

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या-12 की इस सत्र की प्रथम क्षेत्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं कार्यशाला क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजी. पी.के. जैन की अध्यक्षता में दर्शनोदय तीर्थ क्षेत्र थूबोंनजी में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक महावीर प्रार्थना के साथ हुआ। बैठक में क्षेत्र क्रमांक-12 के लगभग 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की आतिथ्य शाखा जैन मिलन अशोकनगर के अध्यक्ष पवन जैन करैया, मंत्री संजय जैन गीतगंगा, कोषाध्यक्ष राजीव जैन एवं वीर बंधुओं ने सभी अतिथियों का पट्टिका पहनाकर स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन शाखा के राजीव जैन ने प्रस्तुत किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजी. पी.के. जैन ने अपने उद्बोधन में सभी शाखा अध्यक्षों, मंत्रियों, संयोजकों एवं वीर-वीरांगनाओं से आह्वान किया कि वे कार्यशाला को गंभीरता से लें तथा जैन मिलन के सेवा एवं संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी संगठन को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। क्षेत्रीय मंत्री निर्मल जैन मिर्ची जैन ने क्षेत्रीय प्रगति विवरण, क्षेत्रीय कार्यकारिणी की घोषणा एवं वर्ष 2025-26 का आय-व्यय लेखा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय विशिष्ट संरक्षक विजय जैन गुना ने कहा कि क्षेत्र एवं केंद्र द्वारा बनाई गई कार्य योजनाओं को शाखाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचाकर उन पर कार्य करना आवश्यक है। संगठन में प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण है और सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय कुमार जैन ने बताया कि भारतीय जैन मिलन ने इस वर्ष को ''जैन गौरव सम्राट वर्ष'' घोषित किया है। उन्होंने जैन सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य, राजा संप्रति, राजा कुमारपाल एवं रानी अब्बक्का चोटा के जीवन परिचय से सभी को अवगत कराया। युवा सम्मेलन, करियर गाइडेंस, काउंसिलिंग एवं मोटिवेशन विषय पर राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र जैन कड़ेसरा एवं प्रमोद जैन चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा सम्मेलन आयोजित कर युवाओं को सही मार्गदर्शन दिया जा सकता है। क्षेत्रीय महिला सम्मेलन को लेकर सपना जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने अपने विचार रखे। वहीं क्षेत्रीय संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर क्षेत्रीय कॉर्डिनेटर विकास कुमार जैन ने विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय मंत्री नरेश चंद जैन ने दिल्ली में प्रस्तावित कार्यक्रमों एवं वर्चुअल सम्मेलन की जानकारी साझा की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैची बीड़ी ने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों के भ्रमण हेतु शाखाओं द्वारा आमंत्रण प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। मासिक बैठक, रिपोर्ट तैयार करना, उपस्थिति रजिस्टर संधारण एवं मासिक रिपोर्ट केंद्र, क्षेत्र एवं पत्रिका को भेजने संबंधी जानकारी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष उम्मेदमल गोलेछा ने दी। राष्ट्रीय विशिष्ट संरक्षक विजय जैन एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री आनंद गांधी ने पदाधिकारियों के दायित्व एवं कर्तव्यों के साथ पर्यावरण संरक्षण विषय पर भी अपने विचार व्यक्त किए। क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष वीर सुरेंद्र कुमार जैन ने वार्षिक सदस्यता शुल्क संग्रह, शाखा के आय-व्यय रजिस्टर के संधारण तथा वर्षांत में आय-व्यय लेखा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

बागड़ पधारो गुरुवर सुधा सागर महाराज : चातुर्मास निवेदन हेतु 72 गांव की समाज अशोकनगर रवाना

वीरोदय तीर्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल पिंडारमिया एवं उपाध्यक्ष गांधी राजेश कुमार ने सभी यात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि जहां संतों के चरण पड़ते हैं, वहां केवल धर्म ही नहीं, बल्कि समरसता, संस्कार, शांति और मानवता का प्रकाश भी फैलता है...

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य, तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज ससंघ के श्री वीरोदय तीर्थ क्षेत्र, बागड़ प्रांत में आगामी चातुर्मास हेतु मंगल निवेदन करने के लिए 72 गांव की समाज मंगलवार को अशोकनगर (मध्यप्रदेश) के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर वीरोदय तीर्थ क्षेत्र में उपस्थित समाजजनों एवं युवा साथियों ने भगवान आदिनाथ के दर्शन कर यात्रा की मंगलकामनाओं के साथ सभी को विदाई दी। वीरोदय तीर्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल पिंडारमिया एवं उपाध्यक्ष गांधी राजेश कुमार ने सभी यात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि जहां संतों के चरण पड़ते हैं, वहां केवल धर्म ही नहीं, बल्कि समरसता, संस्कार, शांति और मानवता का प्रकाश भी फैलता है। उन्होंने बताया कि परम पूज्य गुरुवर श्री 108 सुधा सागर जी महाराज ससंघ का वर्तमान में गुना (मध्यप्रदेश) की ओर विहार चल रहा है। समस्त वागड़वासी, जैन समाज एवं धर्मप्रेमी जनों की हृदय से यही मंगल भावना है कि गुरुवर का आगामी पावन चातुर्मास बांसवाड़ा स्थित श्री वीरोदय तीर्थ क्षेत्र में संपन्न हो। इसी उद्देश्य से मंगलवार, 26 मई 2026 को दोपहर 2 बजे वीरोदय तीर्थ क्षेत्र से अशोकनगर के लिए रवानगी हुई। समाजजनों ने कहा कि गुरुवर का आगमन केवल एक समाज के लिए नहीं, बल्कि पूरे वागड़ क्षेत्र के लिए आध्यात्म, संस्कार और सद्भावना का नया प्रकाश लेकर आएगा। इस दौरान सभी ने एक स्वर में मंगल प्रार्थना की

गुरुवर वागड़ पधारो
हम सबको तारो
वीरोदय धाम को धन्य बनाओ

इस अवसर पर नौगामा जैन समाज की ओर से भी 51 युवा साथी, नौगामा नगर में विराजमान सिद्धमति माताजी का आशीर्वाद प्राप्त कर अशोकनगर के लिए रवाना हुए। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेशचंद्र गांधी द्वारा दी गई।

दवा संग दुआ से मरीजों का रामबाण इलाज: पवन बोरदिया

नि: शुल्क मिर्गी रोग शिविर में 165 मरीज हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा.शाबाश इंडिया

श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति द्वारा माह के चतुर्थ मंगलवार को आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग शिविर मंगलवार, 26 मई 2026 को संस्था परिसर में सम्पन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लेकर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी कॉलेज एवं हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर.के. सुरेखा की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में कुल 165 मरीजों का उपचार किया गया, जिनमें 26 नए मरीज शामिल रहे। सभी मरीजों को निशुल्क दवा भी वितरित की गई। शिविर के लाभार्थियों में भंवर सिंह, मानसिंह, पवन कुमार, अरुण कुमार, मानव कुमार बोरदिया, विजयनगर निवासी महावीर प्रसाद, निहाल चंद एवं ज्ञान चंद नाबेड़ा प्रमुख रहे। शिविर के दौरान अनिल चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव एवं योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रोग नियंत्रण के लिए नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष जोर दिया। संस्था मंत्री पदम चंद जैन ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि अध्यक्ष घेवर चंद श्रीश्रीमाल ने अतिथियों एवं मरीजों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। लाभार्थी परिवार की ओर से पवन बोरदिया ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सभी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना की। मुंबई से आए जयंतीलाल मेहता ने भी संस्थान का अवलोकन कर यहां संचालित सेवाओं की प्रशंसा की। शिविर के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरे मई माह की निशुल्क भोजन सेवा भी उपलब्ध कराई गई। यह सेवा स्वर्गीय पराक्रम सिंह, रसाल देवी एवं उषा चौधरी की पुण्य स्मृति में सुशील कुमार, सुधीर कुमार एवं विकास चौधरी, गुलाबपुरा द्वारा प्रायोजित की गई। इस सेवा का लाभ 325 से अधिक लोगों ने प्राप्त किया। शिविर में मूल चंद नाबेड़ा, राजेंद्र चौरड़िया, मदन लाल लोढ़ा, सुरेश लोढ़ा, सुशील चौधरी, शांति लाल डांगी, मदन लाल रांका, बंसी लाल डोसी, दिनेश जोशी, प्रेम पाडलेचा, दिलीप पाराशर, राजेन्द्र जायसवाल एवं दिलीप विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का संचालन अनिल चौधरी द्वारा किया गया।

जैन समाज के श्रद्धालुओं ने उपाध्याय विकसंत सागर महाराज के निवाई प्रवास हेतु चढ़ाया श्रीफल

सकल दिगम्बर जैन समाज ने ग्रीष्मकालीन अल्प प्रवास के लिए किया अनुनय-विनय

निवाई.शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य विराग सागर महाराज के शिष्य उपाध्याय विकसंत सागर महाराज ससंघ को निवाई में ग्रीष्मकालीन अल्प प्रवास हेतु श्रद्धापूर्वक श्रीफल चढ़ाया गया। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जैन समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा निवाई में अल्पकालीन प्रवास के लिए अनुनय-विनय की गई। इस अवसर पर समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, विष्णु बोहरा, हुकमचंद जैन, सुशील आरामशीन, सन्मति चंवरिया, सुशील गिन्दोडी, पवन बोहरा, मनोज पाटनी, ज्ञानचंद चंवरिया, विमल पाटनी, नवरत्न टोंग्या, गोपाल लाल, शंभु कठमाणा, सुरेश भाणजा, रामपाल चंवरिया, राहुल बोहरा, विमल भाणजा एवं अनिल भाणजा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने पंडित सुरेश शास्त्री के मंत्रोच्चार के साथ श्रीफल चढ़ाकर विनय की। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान आचार्य विशद सागर महाराज, उपाध्याय विकसंत सागर महाराज एवं विशाल सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, संयम एवं सदाचार का संदेश दिया। संतों ने उपस्थित समाजजनों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए धार्मिक जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहे और धार्मिक वातावरण में श्रद्धा एवं भक्ति का भाव देखने को मिला।

महिलाओं की प्रतिभा और आत्मनिर्भरता को मिली नई पहचान

''उड़ान-स्वयं सिद्धा की'' व्यापार मेला एवं ''नाश्ता गली'' बना आकर्षण का केंद्र

भीलवाड़ा.शाबाश इंडिया। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जीतो लेडीज विंग भीलवाड़ा द्वारा ''उड़ान: स्वयं सिद्धा की'' व्यापार मेले एवं ''नाश्ता गली'' कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन कोठारी 245, ला ईडन, भीलवाड़ा में किया गया। आयोजन ने महिलाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं उद्यमशीलता को प्रभावी मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो चेयरपर्सन नीता बाबेल द्वारा उपस्थित सदस्यों के स्वागत के साथ किया गया। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके हुनर को पहचान दिलाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत साधर्मिक महिलाओं को निशुल्क स्टॉल उपलब्ध करवाए गए, जिससे वे अपने उत्पादों एवं व्यवसाय को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। व्यापार मेले में घरेलू उत्पाद, हस्तनिर्मित वस्तुएं, खाद्य सामग्री, पारंपरिक उत्पाद एवं विभिन्न व्यवसायिक स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं ''नाश्ता गली'' में विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का लोगों ने भरपूर आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, नवाचार एवं महिला उद्यमिता का सशक्त स्वरूप देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अर्चना पाटोदी, आयोजन संयोजिका सुमन लोढ़ा एवं सह-संयोजिका लाड़ मेहता का विशेष सहयोग रहा।

ग्रीष्मकालीन संस्कार शिविर में बताया धर्म का महत्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर में शक्तिनगर स्थित श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर में बच्चे बड़े उत्साह के साथ धार्मिक शिक्षण का लाभ ले रहे हैं। संयोजिका सुनीता अजमेरा ने बताया कि शिविर का निरीक्षण करने श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर से श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, श्रीमती विद्युत लुहाड़िया एवं विनीता जैन बोहरा पधारीं। शिविर में बच्चों का उत्साह एवं सहभागिता देखकर सभी अतिथि अत्यंत प्रसन्न हुए। इस अवसर पर शालिनी बाकलीवाल ने द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि धार्मिक संस्कारों को दैनिक जीवन में किस प्रकार सहजता से अपनाया जा सकता है। वहीं विनीता जैन ने बच्चों को प्रतिदिन जिनेन्द्र देव के दर्शन के लिए मंदिर आने तथा सप्ताह में एक दिन अभिषेक करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान बच्चों के लिए संस्थान की ओर से भजन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आज की प्रभावना श्रीमती

सुनीता जैन के सुपुत्र, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर सौरभ जैन एवं पूजा जैन की सुपुत्री युक्ति के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उनके परिवार द्वारा वितरित की गई। राजस्थान जैन सभा, जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अध्यक्ष विमला जैन ने अतिथियों का तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में संयोजिका मीनू गंगवाल, अंकिता बिलाला, प्रेमलता बोहरा, सुनीता अजमेरा एवं नीलू पांडया विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

हुकूमत में भले बड़े पद पर पहुंच जाना, पर अपने भाई पर हुकूमत मत चलाना : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

पंचकल्याणक महोत्सव में सेवा देने वाले महिला मंडलों को स्मृति चिन्ह भेंट, आज 27 मई को पंचायत कमेटी करेगी पत्रकारों का सम्मान : विजय धुर्रा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। सत्ता और हुकूमत का आकर्षण सभी को होता है, लेकिन उसके साथ जिम्मेदारी और मर्यादा भी आवश्यक है। यदि किसी को राजा बनना है तो उसे राजा के साथ रहने की विधि सीखनी होगी, और यदि नेता बनना है तो अपने नेतृत्व के साथ सहयोग की भावना रखनी होगी। हुकूमत में भले ही बड़े पद पर पहुंच जाओ, लेकिन अपने भाइयों पर हुकूमत मत चलाओ, अन्यथा राज्य और परिवार दोनों बिखर जाते हैं। उक्त उद्गार सुभाषगंज मैदान में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने भगवान श्रीराम के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब श्रीराम का राज्याभिषेक होने वाला था और लक्ष्मण को अलग राज्य देने की बात आई, तब लक्ष्मण ने राज्य लेने से इंकार कर दिया। वहीं श्रीराम ने छोटे भाई शत्रुघ्न को मथुरा का राज्य सौंपा। यह भाईचारे और मयार्दा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सत्ता का उपयोग संरक्षण और न्याय के लिए होना चाहिए, न कि अपनों पर अधिकार जताने के लिए। मुनिश्री ने कहा कि सम्यक दृष्टि वाला राजा बनने की इच्छा इसलिए रखता है ताकि वह लोगों को न्याय दिला सके। एक सच्चा राजा प्रजा के सुख और कल्याण के लिए संघर्ष करता है। उन्होंने श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने मथुरा की प्रजा को सुखी बनाने के लिए अनेक संघर्ष किए। उन्होंने राजनीति और धर्मनीति का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि राजनेता आगे बढ़ने के लिए जिस सीढ़ी से ऊपर चढ़ता है, उसे पीछे छोड़ देता है, जबकि धर्मनेता पीछे की सीढ़ियों को भी देखता चलता है कि कहीं वे टूट तो नहीं गईं। यदि कोई सीढ़ी क्षतिग्रस्त होती है तो धर्मात्मा पहले उसे सुधारता है और फिर आगे बढ़ता है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, लाडनूं में पर्यावरण संरक्षण हेतु परिंडे, चुग्गा पात्र एवं घोंसला स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न

लाडनूं. शाबाश इंडिया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, लाडनूँ में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण एवं पक्षी संरक्षण के उद्देश्य से परिंडे, चुग्गा पात्र एवं कृत्रिम घोंसलों की स्थापना का सराहनीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्थित नीम, खेजड़ी एवं पीपल जैसे छायादार वृक्षों की टहनियों पर परिंडे एवं चुग्गा पात्र लगाए गए, ताकि भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों को जल एवं आहार सहज रूप से उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप-अधीक्षक पुलिस जितेंद्र सिंह चारण ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण की दिशा में ऐसे छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्राओं से अपने-अपने घरों में भी परिंडे लगाने एवं नियमित रूप से जल एवं चुग्गे की व्यवस्था करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र कागट ने बताया कि परिंडों एवं चुग्गा पात्रों की नियमित देखरेख तथा जल-आहार की व्यवस्था हेतु छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने स्वेच्छा से जिम्मेदारी ली है, जो अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जो छात्राएं महाविद्यालय नहीं आ सकीं तथा महाविद्यालय की पूर्व छात्राओं ने भी अपने घरों एवं गांव-गली के सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे लगाकर उसके फोटो एवं वीडियो क्लिप्स पूर्व विद्यार्थी परिषद की सचिव अफसाना बानो के साथ साझा किए हैं। ऐसी सभी छात्राएं एवं पूर्व छात्राएं बधाई की पात्र हैं। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. गजादान चारण ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए अपने घरों में भी परिंडे लगाने तथा पक्षियों के लिए निरंतर जल एवं दाना उपलब्ध कराने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण, जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समिति दादाबाड़ी की महिला कार्यकारिणी का गठन

डॉ. ज्योति गौतम अध्यक्ष एवं मीना शर्मा महामंत्री नियुक्त

आजाद शेरवानी

कोटा. शाबाश इंडिया। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समिति दादाबाड़ी, कोटा के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा की सहमति से समिति की महिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित महिला कार्यकारिणी में डॉ. ज्योति गौतम को अध्यक्ष एवं मीना शर्मा को महामंत्री नियुक्त किया गया। समिति के महामंत्री रवि गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला कार्यकारिणी के गठन का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को संगठनात्मक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ते हुए समाजहित के कार्यों को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर जगमोहन गौतम, रामचंद्र गौतम, राजेंद्र मोहन गौतम, प्रवीण पंचोली, मनोज व्यास, रणदीप जोशी, नरेश गौतम, दिनेश दुबे सहित अनेक समाजबंधु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा 30 मई से 3 जून तक भव्य श्रीकृष्ण कथा का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु देश के विभिन्न राज्यों एवं शहरों में आध्यात्मिक कथा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ऐलनाबाद की गौशाला रोड स्थित सनातन धर्मशाला प्रांगण में 30 मई से 3 जून 2026 तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक भव्य श्रीकृष्ण कथा का आयोजन किया जाएगा। इस पावन अवसर पर संस्थान के संस्थापक एवं संचालक सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सौम्या भारती जी अपनी संपूर्ण भजन मंडली सहित 29 मई को ऐलनाबाद पधारेंगी। कथा के माध्यम से वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए युवा वर्ग को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा दी जाएगी। साथ ही नारी शक्ति के उत्थान, पर्यावरण संरक्षण एवं समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया जाएगा। कथा में आने वाली संगत के लिए प्रतिदिन रात्रि भोजन (भंडारा) की विशेष व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम से पूर्व 29 मई को सायं 5 बजे नोहर रोड स्थित श्री बालाजी बगीची से भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें शहर की समस्त मातृशक्ति निशुल्क भाग ले सकेगी। यह जानकारी संस्थान के प्रबंधक स्वामी प्रेम प्रकाशानंद जी ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। इस अवसर पर श्री गौशाला ऐलनाबाद के अध्यक्ष अंजनी लढ़ा एवं संदीप कंबोज भी उपस्थित रहे।

जैन साध्वियों के दुखद निधन से आहत जैन मित्र मंडल ने सौंपा ज्ञापन

जैन समाज द्वारा निकाला गया मौन जुलूस एवं आयोजित हुई विनयांजलि सभा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। पदयात्रा के दौरान हाल ही में तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन की टक्कर से दो जैन साध्वियों के आकस्मिक निधन से दुखी जैन मित्र मंडल, मुरैना ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच एवं साधु-संतों की सुरक्षा की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जैन मित्र मंडल द्वारा दिए गए ज्ञापन में देशभर में विहाररत जैन साधु-संतों, आर्यिकाओं एवं साध्वियों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति लागू करने तथा रीवा (मध्यप्रदेश) में पूज्य आर्यिका माताजी द्वय की दुर्घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। जैन मित्र मंडल के संस्थापक एवं श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर कमेटी के पूर्व मंत्री एडवोकेट धर्मेंद्र जैन ने अपनी टीम के साथ नई कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम भूपेंद्र सिंह कुशवाह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि जैन समाज अत्यंत दुख एवं गहरी वेदना के साथ रीवा में विहाररत आर्यिका माताजी द्वय के साथ हुई हृदयविदारक घटना की निष्पक्ष जांच चाहता है। इस दुर्घटना में दो पूज्य आर्यिकाओं का असामयिक समाधिमरण हो गया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध तथ्यों, परिस्थितियों एवं सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो क्लिपों के आधार पर संपूर्ण जैन समाज में गहरी चिंता एवं रोष व्याप्त है। इसलिए इस संवेदनशील प्रकरण की पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन में कहा गया कि जैन साधु-संत, आर्यिकाएं एवं साध्वियां पूर्णतः अपरिग्रही, निहत्थे एवं अहिंसक तपस्वी होते हैं, जो पैदल विहार करते हैं और सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर धर्म साधना में लीन रहते हैं। ऐसे साधु-संतों के साथ लगातार हो रही दुर्घटनाएं एवं अप्रिय घटनाएं संपूर्ण समाज के लिए चिंता का विषय हैं। इस अवसर पर जैन मित्र मंडल के मुख्य संयोजक सतेंद्र जैन खनेता, बड़ा जैन मंदिर कमेटी के उपाध्यक्ष प्रदीप जैन बरैया, पूर्व मंत्री एडवोकेट धर्मेंद्र जैन, पूर्व कोषाध्यक्ष महेश जैन परीक्षा, राजकुमार जैन राजू, अनिल जैन संजू, निर्मल भंडारी, सुनील जैन पुच्ची एवं मनेंद्र जैन रानू सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

जैन समाज ने निकाला मौन जुलूस

रीवा के समीप पदविहार के दौरान वाहन की टक्कर से दो जैन साध्वियों के निधन से व्यथित स्थानीय जैन समाज ने मौन जुलूस निकाला। इसमें बड़ी संख्या में समाजजन, मातृशक्ति एवं युवा साथी शामिल हुए। मौन जुलूस बड़ा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर लोहिया बाजार, सराफा बाजार, झंडा चौक, हनुमान चौराहा, सदर बाजार एवं पुल तिराहा होते हुए पुरानी कलेक्ट्रेट पहुंचा। वहां उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को साधु-संतों की सुरक्षा की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

बड़े जैन मंदिर में आयोजित हुई विनयांजलि सभा

परम पूज्य जैन साध्वियों के दुखद आकस्मिक निधन से आहत जैन समाज ने बड़ा जैन मंदिर में विनयांजलि सभा आयोजित की। सभा में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप कर माताजी की आत्मा की सद्गति एवं उच्च गति के लिए मंगलभावना व्यक्त की।

वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा...

अच्छे विचार, श्रेष्ठ आचरण और सत्कर्म ही जीवन को महान बनाते हैं

जयपुर. शाबाश इंडिया

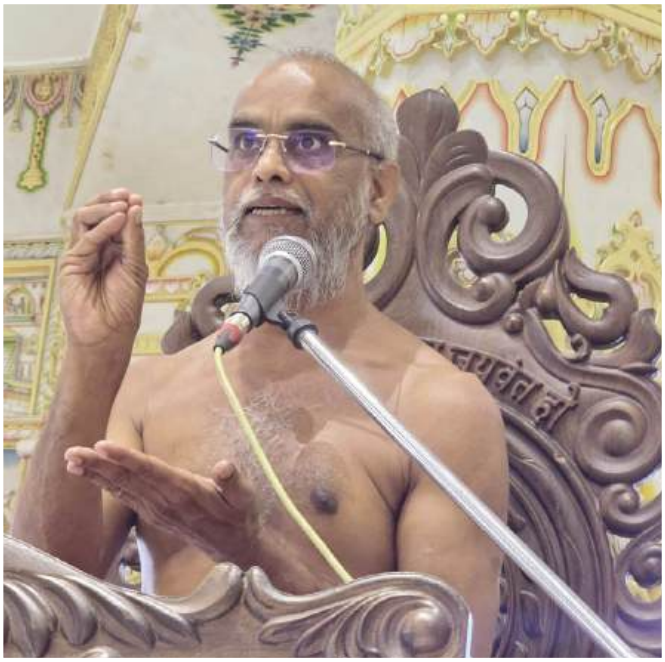

दिगम्बर जैन धर्मशाला सामली (उत्तर प्रदेश) में विराजमान परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के शिष्य वाक्केशरी संत आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी महाराज ने धर्मसभा में प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य का वास्तविक स्वरूप उसकी आत्मा का शुद्ध स्वरूप है। यही आत्मस्वरूप व्यक्ति को जीवन के सत्य एवं वास्तविक उद्देश्य से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आत्मस्वरूप की प्राप्ति सहज नहीं होती, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आत्मिक कल्याण एवं उन्नति के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। गुरुजनों के उपदेश, साधना एवं ध्यान इस मार्ग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कोई भी व्यक्ति जन्म से पूर्ण ज्ञान लेकर नहीं आता, बल्कि निरंतर अभ्यास एवं प्रयास के माध्यम से अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य सदैव सुख चाहता है और दुःख से दूर रहना चाहता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए अनेक योजनाएं बनाता है तथा सुख-सुविधाएं प्राप्त करने का प्रयास करता है। लेकिन कई बार व्यक्ति यह चाहता है कि वह पापकर्मों से जुड़ा रहे और उसे पुण्य का फल प्राप्त होता रहे, जबकि प्रकृति का नियम स्पष्ट है कि मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार ही फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, विश्वास एवं भक्ति के साथ किए गए कार्य व्यक्ति के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। ध्यान का जीवन में विशेष महत्व है। व्यक्ति को अपने प्रत्येक कर्म के प्रति जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक कर्म का परिणाम अवश्य प्राप्त होता है। यदि हम हिंसा, झूठ, चोरी अथवा अन्य अनुचित कार्य करते हैं तो उनके परिणाम भी हमें ही भोगने पड़ते हैं। मुनिश्री ने कहा कि शुभ कर्म सुख एवं शांति प्रदान करते हैं, जबकि अशुभ कर्म दुःख और कष्ट का कारण बनते हैं। इसलिए व्यक्ति को अपने जीवन में अशुभ कर्मों को कम करने एवं शुभ कर्मों को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी कार्य को करने से पूर्व सोच-विचार करना आवश्यक है। बिना विचार के किए गए कार्य कई बार समस्याओं एवं दुःख का कारण बन जाते हैं। अच्छे विचार, श्रेष्ठ आचरण एवं सत्कर्म ही जीवन को महान बनाते हैं। आचार्यश्री ने वर्तमान समय की परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज व्यक्ति अपने मूल्यों एवं आत्मिक चेतना से दूर होकर मोबाइल एवं भौतिक आकर्षणों में अधिक उलझता जा रहा है। इसलिए जीवन में संतुलन, संयम एवं आत्मचिंतन को अपनाकर ही वास्तविक सुख एवं शांति प्राप्त की जा सकती है। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। इससे पूर्व चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का किया स्वागत

संगठन की गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं पर हुई चर्चा

आजाद शेरवानी

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मधु ललित बाहेती का पूर्वी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नीलम तापड़िया एवं उनकी टीम द्वारा आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष नीलम तापड़िया एवं टीम ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा महेश्वरी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय पदाधिकारी के कोटा स्थित निवास पर मुलाकात की। प्रदेश टीम द्वारा श्रीमती मधु बाहेती का दुपट्टा ओढ़ाकर, माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस गरिमामयी मुलाकात के दौरान संगठन की गतिविधियों, आगामी योजनाओं एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अनौपचारिक एवं सार्थक चर्चा भी हुई। प्रदेश अध्यक्ष नीलम तापड़िया ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का कोटा आगमन एवं उनसे प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्राप्त करना संगठन के लिए अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है। इस अवसर पर संगठन की प्रमुख पदाधिकारी प्रीति राठी, ऋतु मुंडड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष संगीता काबरा, प्रदेश संयुक्त मंत्री रेखा शारदा एवं सक्रिय सहयोगी समिति प्रमुख प्रीति मोहता, ममता सोनी, भारती काल्या, उष्मा लढ़ा, भगवती सेठिया एवं सीमा मालपानी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

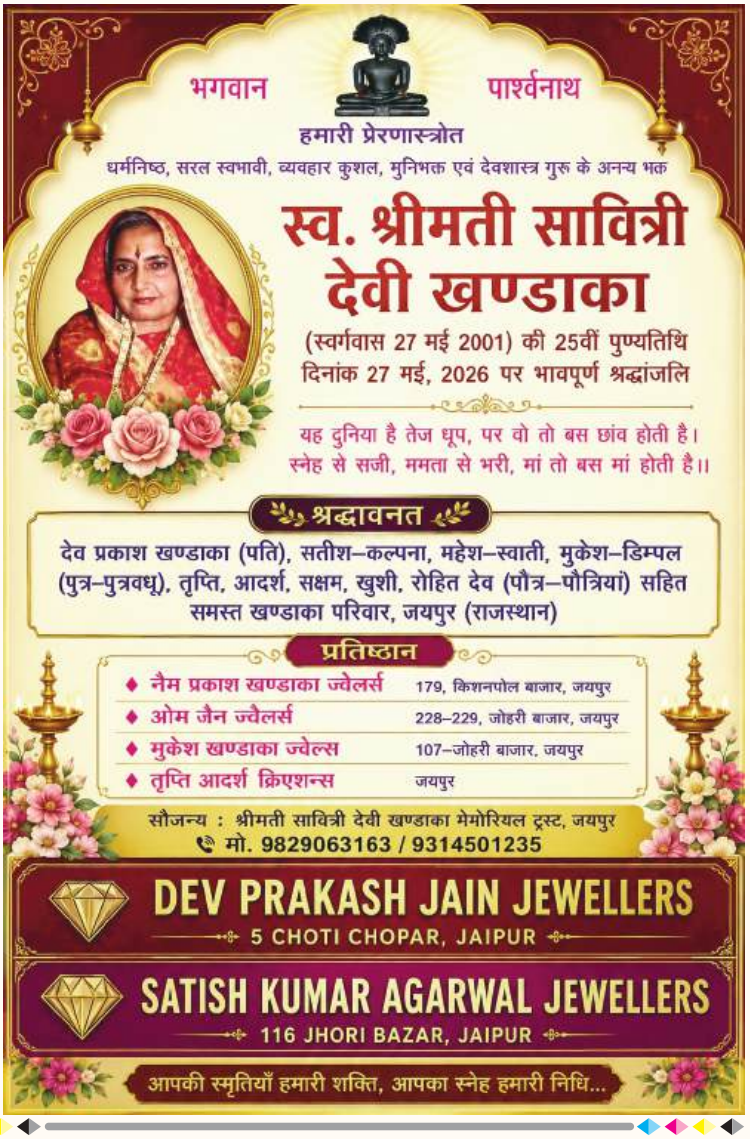

जीवन में उत्थान के लिए कदम आगे बढ़ाएं: जिनदेवी माताजी

राणाजी की नसियां में आयोजित हुई धर्मसभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ इन दिनों आगरा रोड स्थित खानिया की राणाजी की नसियां में विराजमान हैं। मंगलवार को आयोजित धर्मसभा में माताजी ने अपने प्रवचनों में कहा कि जीवन में प्रत्येक समय धैर्य बनाए रखना चाहिए तथा शुभ भावनाओं के साथ सत्पुरुषार्थ करना चाहिए। यदि जीवन में विशेष उपलब्धि प्राप्त करनी है तो निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ''मन को मारे मत बैठे, कारवां आगे बढ़ता है तो हिम्मत हारे मत बैठे।''

माताजी ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति ही मंजिल प्राप्त करता है। जिनके भीतर हिम्मत, धैर्य एवं उत्साह होता है, वही जीवन में आगे बढ़ते हैं, जबकि नकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति आलस्य में पीछे रह जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ठहरा हुआ पानी सड़ने लगता है, बिना बदले रोटी जल जाती है और बिना दौड़ वाला घोड़ा रुक जाता है। इसलिए प्रत्येक भव्य आत्मा को कदम से कदम मिलाकर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। इससे जीवन का उत्थान होगा तथा मन की प्रसन्नता, उत्तम आरोग्य, सुख, शांति, समृद्धि एवं सद्गति की प्राप्ति होगी। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मूलनायक भगवान वासुपूज्य भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। तत्पश्चात धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा पूज्य माताजी का पाद प्रक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जैन साध्वियों के असामयिक समाधिमरण के विरोध में जयपुर में जैन समाज का विरोध प्रदर्शन

राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में विधायक कालीचरण सराफ को सौंपा ज्ञापन

पदविहार करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा एवं निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया

मध्यप्रदेश के रीवा नगर में पदविहार के दौरान एक अनियंत्रित कार की टक्कर से दो पूज्य दिगम्बर जैन आर्यिका माताजी के असामयिक समाधिमरण की दुखद घटना से पूरे देश के जैन समाज में गहरा आक्रोश एवं शोक व्याप्त है। इसी के विरोध में तथा भविष्य में जैन साधु-संतों की पदविहार सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर राजस्थान जैन सभा, जयपुर के तत्वावधान में टोंक रोड स्थित जय जवान कॉलोनी के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विशाल विरोध प्रदर्शन एवं धर्मसभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन पूज्य आर्यिका अर्हम मति माताजी ससंघ के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कालीचरण सराफ को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में विभिन्न जैन मंदिरों, सामाजिक संगठनों एवं दिगम्बर-श्वेताम्बर समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाषचंद जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि देशभर के जैन साधु-संतों एवं समाजजनों के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत यह आंदोलन आयोजित किया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका अर्हम मति माताजी ने कहा कि रीवा में जैन साध्वियों के साथ हुई घटना मात्र दुर्घटना नहीं, बल्कि निर्दयतापूर्वक कुचलकर मारने की सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है, जो जघन्य अपराध की श्रेणी में आती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष अनेक निर्दोष साधु-संतों पर इस प्रकार के हमले एवं दुर्घटनाएं होती रही हैं। उन्होंने कहा कि जैन समाज सदैव अहिंसा एवं शांति का उपासक रहा है, लेकिन अब केवल प्रतिकार नहीं बल्कि स्थायी समाधान आवश्यक है। यदि साधु-संतों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहीं तो उनके आहार-विहार एवं पदविहार पर संकट खड़ा हो जाएगा। साधु-संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं और जहां वे जाते हैं, वहां आध्यात्मिक चेतना एवं पवित्र वातावरण का निर्माण होता है। इसलिए उनकी सुरक्षा शासन एवं प्रशासन की जिम्मेदारी है। राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने कहा कि सरकार को पदविहार करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा हेतु विशेष नियम एवं प्रावधान लागू करने चाहिए। जब तक स्थायी समाधान नहीं होगा, समाज शांत नहीं बैठेगा। जय जवान कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष अशोक जैन नेता ने कहा कि साधु-संतों के आहार, विहार एवं प्रवास की पूर्व सूचना प्रशासन को देकर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। महामंत्री मनीष बैद ने कहा कि 20 वर्षों की तप एवं साधना में लीन आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका उपशममति माताजी का इस प्रकार असामयिक समाधिमरण अत्यंत पीड़ादायक है। उपलब्ध वीडियो क्लिपों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि घटना के पीछे किसी साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। सरकार को इसकी गहन जांच कर दोषियों को सामने लाना चाहिए। सभा के दौरान राजस्थान जैन सभा के पदाधिकारियों ने विधायक कालीचरण सराफ के माध्यम से पांच सूत्रीय ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसमें पदविहारी साधु-संतों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाने एवं आर्यिका माताजी दुर्घटना की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच एसआईटी से कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में प्रमुख मांगें

रीवा घटना की निष्पक्ष एवं समयबद्ध उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। दोषी वाहन चालक के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। देशभर में पदविहार करने वाले जैन साधु-संतों एवं आर्यिका माताओं को विशेष सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। साधु-संतों की सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट नीति एवं दिशा-निर्देश बनाए जाएं। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए।

इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ ने समाजबंधुओं को आश्वस्त किया कि राजस्थान सरकार साधु-संतों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्राप्त ज्ञापनों को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा तथा जैन समाज की मांगों के अनुरूप आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाषचंद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष बैद, संयुक्त मंत्री आर.के. जैन रेलवे, कार्यकारिणी सदस्य दर्शन जैन, जिनेंद्र जैन जीतू, चेतन जैन निमोड़िया, अशोक जैन नेता, दुगार्पुरा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड़, महामंत्री राजेंद्र काला, गायत्री नगर महारानी फार्म दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष अरुण साह, पूर्व अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, महामंत्री राजेश बोहरा, पार्श्वनाथ सोनियान मंदिर के अध्यक्ष कमल दीवान, संघीजी की नसियां के महामंत्री नवीन बिल्टीवाला, जय जवान दिगम्बर जैन मंदिर के महामंत्री अनिल ठोलिया, मनोज पाटनी, राजीव लाखना सहित वरुण पथ मानसरोवर दिगम्बर जैन मंदिर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनीष बैद ने किया तथा धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ।